[Conference-Composition of Colours :December,2014] ISSN- 2350-0530
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v2.i3SE.2014.3658

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

आंतरिक सज्जा में प्रयुक्त रंगों का अध्ययन

डॉ. अकीला कुरैशी
सहा प्राध्यापक गृहविज्ञान विभाग, मा.ल.च.शा.स्ना.क. महाविद्यालय, खंडवा
डॉ. अनुराधा अवस्थी,
सहा प्राध्यापक गृहविज्ञान विभाग, मा.ल.बा.शा.स्ना.क. महाविद्यालय, किला मैदान, इन्दौर

सारांशः–
प्रकृति में बिखरे अनेक रंग उसे अनुपम सौन्दर्य प्रदान करते है ये विविध रंग कला के सबसे महत्वपूर्ण तत्व है किसी भी सज्जा में रंग का बहुत महत्व है उचित रंग संयोजन से किसी भी वस्तु को न केवल आर्कषक बनाया जा सकता है वरन् उस की सुन्दरता को भी बढ़ाया जा सकता है। आंतरिक सज्जा के द्वारा वर्तमान में हम किसी भी भवन की सुन्दरता तथा उपयागिता को बढ़ाने का प्रयत्न करते है। आंतरिक सज्जा द्वारा किसी कमरे या भवन की सजावट करने के लिये सबसे पहले उस कक्ष के भीतर दीवारों, पर्दे फर्श तथा फर्नीचर पर उपयोग में लाये गये रंग का ध्यानपूर्वक नियोजन करना आवश्यक है, कक्ष में उपयोग में लाये गये रंगों के द्वारा एक विशेष प्रकार के वातावरण का निर्माण करके विशेष भाव अभिव्यक्त किये जा सकते है।

प्रस्तुत अध्ययन में यह पाया गया कि परिवारों को रंग संयोजन की कोई जानकारी नहीं होती न ही वे विभिन्न रंगाों का उपयोग उनके द्वारा अभिव्यक्त किये जाने वाले भावों के आधार पर करते है। इन्दौर के परिवारों मे रंगाों का उपयोग वर्तमान में प्रचलित फैंशन के आधार पर किया गया है परन्तु खंडवा के परिवारों में रंग की कीमत के आधार पर सस्ते पड़ने वाले रंग तथा जल्दी गंदे न होने वाले रंगों का अर्थात गहरे रंगो का चयन किया गया है दोनों स्थानों के मकानों में प्रयुक्त रंगों में एक अंतर और पाया गया कि फैंशन के अनुरूप इन्दौर के परिवारों में विशेष रूप से बैठक कक्ष की दीवारों में आमने–सामने की दीवारों पर दो अलग–अलग रंगों का उपयोग किया गया है जबकि खंडवा में मकानों में पूरे कमरे में सभी दीवारों में एक ही रंग का उपयोग किया गया है। इन्दौर तथा खंडवा के मकानों के विभिन्न कमरों में प्रयुक्त रंगों में अंतर का प्रमुख कारण यह है कि इन्दौर खंडवा की तुलना में बड़ा शहर है यहां के परिवारों की व्यय करने की क्षमता अधिक है साथ ही उनमें सदस्यों को आंतरिक सज्जा में प्रचलित रंगों का ज्ञान है।

उद्देश्य :– प्रस्तुत अध्ययन के द्वारा इन्दौर तथा खंडवा के परिवारों में आंतरिक सज्जा के लिये प्रयुक्त रंगों की जानकारी प्राप्त की गई।

शोधविधी :–

जानकारी प्राप्त करने के लिये इन्दौर तथा खंडवा के पचास–पचास परिवारों से प्रश्नावली के माध्यम से उनके घरों में आंतरिक सज्जा के लिये उपयोग में लाये गये रंगों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

परिणाम :– **तालिका क्र. 1 बाहरी दीवारों का रंग :–**

घरों में विभिन्न कमरों में तथा बाहरी दीवारों पर प्रयोग में लाये गये रंगों की जानकारी प्राप्त कर जब तथ्यों का विश्लेषण किया गया तो निम्न परिणाम प्राप्त हुए :–

कलर	इन्दौर		खंडवा	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सफेद	15	30	18	36
क्रीम	9	18	5	10
पीला	8	16	11	22
नीला	9	18	5	10
गुलाबी	4	8	4	8
जामुनी	3	6	2	4
हरा	2	4	5	10
	50	**100**	**50**	**100**

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

परिवारों में बाहरी दीवारों पर प्रयुक्त किये गये रंगों की जानकारी के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि इन्दौर तथा खंडवा दोनों ही शहरों मे सफेद रंग का प्रयोग सबसे अधिक किया जाता है इसका एक प्रमुख कारण यह है कि सफेद रंग चूने की पुताई से आसानी से किया जाता है यह सस्ता भी होता है जबकि इन्दौर के घरों में व्हाईट सीमेन्ट से फिनिश करने के कारण इसका उपयोग अधिक होता है। गुलाबी तथा नीले रंग का उपयोग इन्दौर के घरों में बाहरी दीवारों पर अधिक हआ है क्यों कि आजकल चटख रंगों का फैंशन अधिक है।

तालिका क्र. 2 बैठक कक्ष में प्रयुक्त रंग :–

मध्यम वर्गीय परिवारों में बैठक कक्ष की सज्जा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। बैठक कक्ष में प्रयुक्त रंगों के विश्लेषण से भी यह ज्ञात होता है कि खंडवा के घरों

कलर	इन्दौर		खंडवा	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सफेद	11	22	18	36
क्रीम	9	18	7	14
पीला	5	10	9	18
नीला	13	26	4	8
गुलाबी	6	12	7	14
जामुनी	4	8	3	6
हरा	2	4	2	4
	50	**100**	**50**	**100**

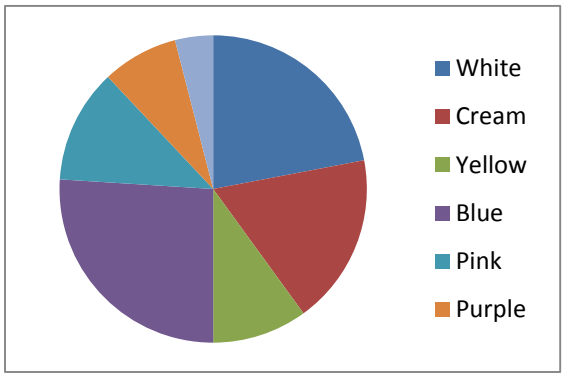

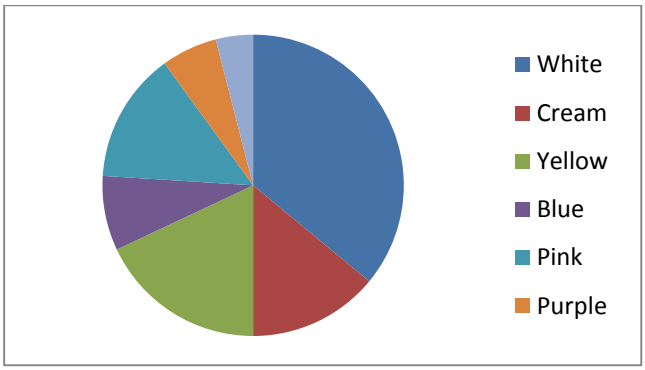

में सफेद रंग का प्रयोग अधिक होता है जबकि इन्दौर के घरों में बैठक कक्ष में नीले रंग का उपयोग अधिक परिवारों ने किया है इन्दौर के मकानों में बैठक कक्ष में दो रंगों का उपयोग किया जाता है जैसे दो दीवारों पर हल्का नीला और दो दीवारों पर गहरा नीला जबकि खंडवा के मकानों में अधिक परिवारों में पूरे बैठक कक्ष की दीवारों पर एक ही रंग का उपपोग पाया गया।

तालिका क्र. 3 शयन कक्ष में प्रयुक्त रंग :–

शयन कक्ष की दीवारों पर ठंडे रंगों का उपयोग अधिक अच्छा होता है क्योंकि वे शीतलता और शांति के भावों को अभिव्यक्त करते है। वर्तमान प्रचलन के अनुसार शयन कक्ष की एक या दो दीवारों पर चटकीले रंग भी

कलर	इन्दौर		खंडवा	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सफेद	7	14	13	26
क्रीम	8	16	9	18
पीला	9	18	10	20

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

नीला	7	14	6	12
गुलाबी	6	12	5	10
जामुनी	5	10	4	8
हरा	5	10	3	6
नारंगी	5	10	0	0
	50	**100**	**50**	**100**

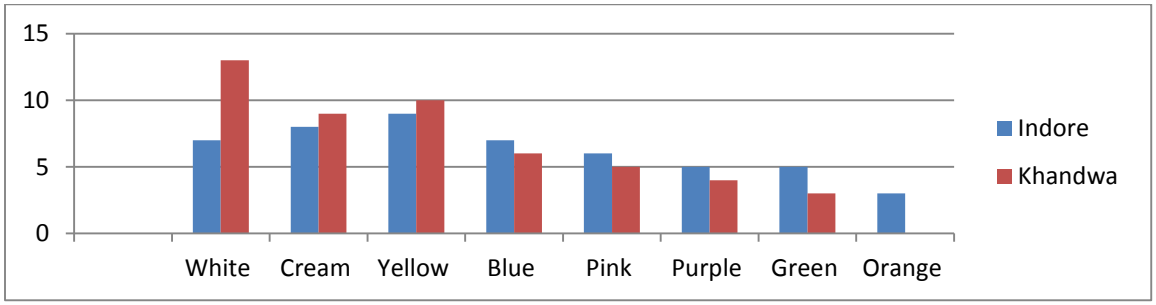

लगाये जाने लगे है। शयन कक्ष की दीवारों के लिये खंडवा के मकानों प सफेद, क्रीम तथा पीले रंग का उपयोग अधिक किया गया है जबकि इन्दौर के भवनों में सफेद रंग के साथ ही पीला, नीला, गुलाबी, जामुनी तथा नारंगी रंग जैसे रंगों के उपयोग का फैंशन अधिक होने से हल्के रंगों के साथ ब्राइट रंगों का संयोजन कर दीवारों पर उपयोग में लाया गया है।

तालिका क्र. 4 रसोई कक्ष में प्रयुक्त रंग :–

रसाई कक्ष में प्रायः हल्के रंगों का ही उपयोग किया जाता है क्योंकि हल्के रंगों के उपयोग से कमरे में उपलब्ध प्रकाश की मात्रा बढ़ जाती है खंडवा के 42 प्रतिशत परिवारों में सफेद रंग का

कलर	**इन्दौर**		**खंडवा**	
	संख्या	**प्रतिशत**	**संख्या**	**प्रतिशत**
सफेद	15	30	21	42
क्रीम	13	26	15	30
पीला	5	10	10	20
नीला	7	14	4	8
गुलाबी	5	10	0	0
जामुनी	2	4	0	0
हरा	3	6	0	0
	50	**100**	**50**	**100**

उपयोग रसोई घर की दीवारों पर किया गया है जबकि इन्दौर के 30प्रतिशत मकानों में सफेद रंग की दीवारें है सफेद के अतिरिक्त क्रीम पीला तथा नीला रंग भी क्रमशः 26प्रतिशत, 10 प्रतिशत तथा 14 प्रतिशत परिवारों में किया गया है परन्तु इन्दौर में 10 प्रतिशत परिवारों में गुलाबी 4 प्रतिशत परिवारों में जामुनी तथा 6 प्रतिशत परिवारों में पिस्ता हरा रंग का प्रयोग किया गया है।

तालिका क्र. 5 फर्श का रंग :–

अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि मध्यम वर्गीय परिवारों में पूरे घर में एक जैसे फर्श का उपयोग किया जाता है जैसे यदि कोटा स्टोन है तो पूरे घर में कोटा स्टोन ही है या यदि टाईल्स है तो पूरे घर में टाईल्स ही होगी और

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

कलर / टाईल्स	इन्दौर		खंडवा	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सफेद मार्बल	11	22	7	14
क्रीम ग्लेज टाईल्स	9	18	5	10
हरा कोटा स्टोन	15	30	13	26
ग्रे सीमेन्ट	7	14	14	28
काला ग्रेनाईट	3	6	0	0
भूरा मोजेक	5	10	11	22
	30	**100**	**50**	**100**

इन उपयोग में लाये गये पदार्थो के आधार पर ही फर्श का रंग दिखाई देता है इन्दौर के मकानों में कोटा स्टोन का उपयोग तथा खंडवा के मकानों में सादा सीमेन्ट का फर्श अधिक पाया गया इसी प्रकार मोजेक टाईल्स का उपयोग भी खंडवा मे अधिक मकानों में देखने को मिला जबकि इन्दौर के मकानों में मार्बल तथा ग्लेज टाईल्स का उपयोग अधिक पाया गया। सभी मकानों में फर्श पर सफेद, क्रीम तथा ग्रे रंग अधिक पाया गया केवल 6 प्रतिशत मकानों में फर्श पर काला रंग उपयोग में लाया गया है, जो कि ग्रेनाईट के कारण है।

तालिका क्र. 6 छत का रंग :–

कमरों की छत पर परिवारों मे सफेद रंग का ही प्रयोग किया जाता है इसका मुख्य कारण यह है कि सफेद रंग सस्ता पड़ता है साथ ही यह कमरे में आने–वाले प्रकाश की मात्रा को परावर्तन के द्वारा बढ़ा देता है इसलिए अधिकतर घरों में छत पर सफेद रंग का प्रयोग किया गया है इन्दौर के कुछ घरों में फॉल्ससीलिंग तथा एस्बेसट्स शीट होने से तथा खंडवा के कुछ घरों में खपरैल होने से वहां छत का रंग ग्रे तथा भूरा पाया गया।

कलर	इन्दौर		खंडवा	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सफेद	33	66	35	70
ग्रे	12	24	7	14
भूरा	5	10	8	16
	50	**100**	**50**	**100**

छत का रंग आंतरिक सज्जा की दृष्टि से इतना महत्वपूर्ण नहीं होता क्योंकि छत पर किसी भी देखने वाले की दृष्टि सामान्यतः नहीं पड़ती परन्तु कमरे के प्रकाश को छत का हल्का रंग बढ़ा देता है अतः प्रकाश की मात्रा बढ़ जाती है।

तालिका क्र. 7 पर्दो का रंग :–

आंतरिक सज्जा में रंगों और नमूने का उपयोग करने के लिये पर्दो का उपयोग सबसे महत्वपूर्ण होता है। प्रस्तुत अध्ययन में यह पाया गया कि इन्दौर के 82 प्रतिशत तथा खंडवा के 64 प्रतिशत परिवार ही पर्दो का उपयोग करते है शेष परिवारों मे पर्दे नहीं लगाये गये है।इन्दौर के जिन परिवारों में पर्दो का उपयोग किया गया है

कलर	इन्दौर		खंडवा	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
पीला	9	22	4	10
क्रीम	7	17	3	7
गुलाबी	4	10	2	5
बादामी	7	17	2	5
मैरून	6	15	9	22
लाल	1	2	5	12
नीला	5	12	4	10
जामुनी	2	5	3	7
	41	**100**	**32**	**100**

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

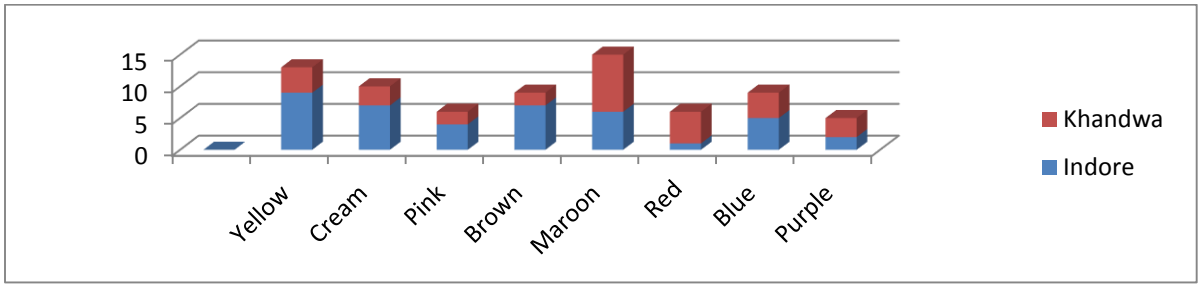

इनमें हल्के रंगों के पर्दो का उपयोग अधिक किया गया है पीला क्रीम तथा बादामी रंग का उपयोग अधिक किया गया है जबकि खंडवा के मकानों में मैरून लाल जैसे रंगों का उपयोग अधिक किया गया है क्योंकि वहां के परिवार यह सोचते है कि गहरे रंग के पर्दे जल्दी गंदे नहीं होते है।

तालिका क्र. 8 फर्नीचर के कवर का रंग :–

कमरे की रंग योजना में फर्नीचर के कवर का रंग भी महत्वपूर्ण स्थान होता है इन्दौर के 64 प्रतिशत तथा खंडवा के 58 प्रतिशत मकानों में फर्नीचर पर कवर लगाये गये है सभी परिवार फर्नीचर पर कवर तथा कुशन नहीं लगाते। जिन परिवारों में फर्नीचर कवर का प्रयोग किया गया है उनमें से इन्दौर में

कलर	इन्दौर		खंडवा	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
पीला	11	34	6	21
नीला	7	22	5	18
भूरा	7	22	7	25
मैरून	5	16	5	18
लाल	2	6	5	18
	32	**100**	**28**	**100**

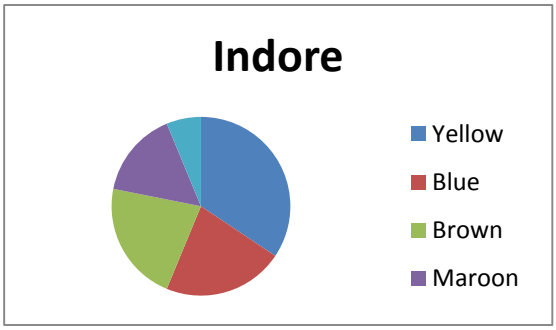

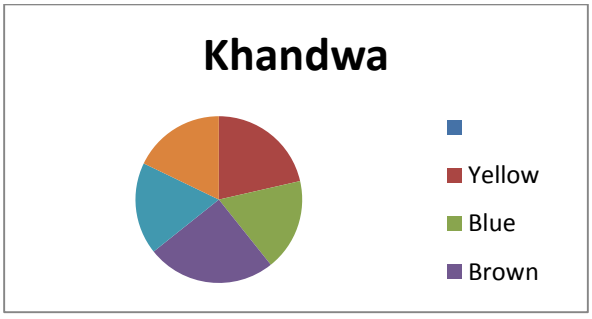

क्रीम रंग का प्रयोग सबसे अधिक घरों में किया गया है जबकि खंडवा के परिवारों में भूरे तथा मैरून रंग का उपयोग अधिक किया गया है। क्रीम तथा पीला रंग अच्छी पृष्ठभूमिका कार्य करता है तथा उस रंग पर अन्य रंग के नमूने, पेन्टिंग या कढ़ाई की हुई अधिक आर्कषण लगती है परन्तु मैरून, भूरा या लाल रंग स्वयं ध्यान आर्कषित करता है तथ जल्दी गंदा नहीं होता इसलिये खंडवा के परिवारों में उसका उपयोग अधिक किया गया है।

निष्कर्षः– प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि आंतरिक सज्जा के प्रति वर्तमान में जागरूकता बढ़ी है ऑफिस, दुकान, शोरूम या घर सभी लोग अपने भवन की आंतरिक सज्जा पर ध्यान देने लगे है किन्तु हमारे देश में अभी भी आम व्यक्तियों को यह जानकारी नहीं है कि धर के विभिन्न कमरों में उपयोग में लाये जाने वाले रंगों का चयन किस प्रकार करना चाहिए। मध्यवर्गीय परिवार प्रायः धन की सीमितता के कारण उन्हीं रंगों और पेन्ट को चुनता है जो सस्ते पड़े यही कारण है कि अधिकतर परिवार

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

सफेद रंग से कमरों की दीवारों को सजाते है। इन्दौर महानगर होने से यहा कि परिवार प्रचलित फैंशन के अनुसार कुछ चटख रंगों का उपयोग भी करते है तथा कुछ आधुनिक घरों में कमरों की आमने–सामने की दीवारों पर दो अलग–अलग रंगों का प्रयोग भी किया गया है, जिससे अधिक आर्कषण उत्पन्न होता है। छत पर लगभग सभी घरों में सफेद रंग का प्रयोग किया गया है केवल उन घरों में सफेद रंग नहीं पाया गया जहां खपरैल थी। मध्यमवर्गीय परिवारों में फर्श भी पूरे घर में एक जैसा ही बनाया जाता है इसलिए पूरे घर का फर्श भी एक जैसे रंग का होता है सभी घरों में हल्के और उदासीन रंग के फर्श पाये गये केवल इन्दौर के 6 प्रतिशत घरों में काले ग्रनाईट के उपयोग के कारण काले रंग का फर्श पाया गया।पर्दो के रंग के लिये इन्दौर के परिवारों में हल्के रंगों का अधिक उपयोग किया जाता है जबकि खंडवा में गहरे रंग के पर्दो तथा फर्नीचर कवर का उपयोग किया जाता है।

सुझाव :–परिवार द्वारा घर की आंतरिक सज्जा में रंगों का विवेकपूर्ण उपयोग घर के कमरों के वातावरण को अधिक आर्कषण और उत्साह वर्धक बना सकता है। आधुनिक प्रचलन के अनुसार यदि कमरों में हल्की पृष्ठभूमि के साथ चटख रंगों का उचित संयोजन किया जाये तो कमरे में नाटकीय प्रभाव उत्पन्न किया जा सकता है।

परिवारों को उचित रंग संयोजन के लिये कुछ सुझाव दिये जा सकते है :–

1. छोटे कमरों को बड़ा आकार का आभास देने के लिये पूरे कमरे में सभी दीवारों पर एक सा हल्का रंग प्रयोग मे लाये।
2. चौकोर कमरे को आयाताकार आभास देने के लिये आमने–सामने की दीवारों पर विरोधाभासी रंग लगाने चाएिये
3. कमरे की छत यदि नीची हो तो दो विभिन्न रंगो के खड़े पट्टें दीवार पर बनाने से छत के उंचे होने का आभास होगा।
4. कमरे की छत बहुत उंची होने पर दो अलग–अलग रंग के आड़े पट्टे दीवार पर बनाने से छत के नीचे होने का आभास होगा।
5. बैठक कक्ष तथा शयन कक्ष की दीवारो को आकर्षक बनाने के लिये चटखीले रंग का उपयोग हल्की प्रष्ठभूमि के साथ किया जाना चाहियें।
6. आधुनिक फैशन के अनुसार दीवारों के रंग मे कपड़े, स्पन्ज, कंघी या ब्लैड से विशेष प्रकार का टेक्सचर या पोत भी बनाये जा सकते है। जिससे कमरे की दीवारे बहुत आकर्षक लगती है।
7. वर्तमान में प्रचलित विभिन्न कलर के स्टेनर के द्वारा कम कीमत में ही डिस्टेम्पर या चूने के सफेद रंग में अपना मन पसंद रंग का स्टेनर मिला कर कोई भी रंग बनाया जा सकता है और दीवार पर सह रंग आर्कषक लगता है।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Batter living Encydopedia. Household management by home library press, New York, edition 1966. Volueme 3 P. No. 91-95
2. Goldstein and Goldstein, "Art in every day life" Oxford and IBH publishing Co. 4th edition 1954 P. no. 169-195.
3. Rush, O and Craig H. "Homes with Character Universal Book stall, Delhi Kanpur First Indian reprint 1969 P. No. 97-128
4. Rutt, A.H. "Home furnishing" Wiley Eastern private limited, New Delhi, 2nd edition 1969. P- No. 27-48
5. Sane, Y.S."planning and designing buildings" Allies Book publishing Co. Poona and Engineering book publishing company. Poona 3rd edition 1975. P 55- 127-18